दिल्ली, एन.सी.आर. व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय मासिक

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

Regd. No.-UPHIN/2004/15489 www.uvindianews.com प्रधान सम्पादक: सत्येन्द्र सिंह

वर्ष : 16 ▶ अंक : 11 ▶ गाजियाबाद, नवंबर, 2020 ▶ मूल्य : 4 रूपया ▶ पृष्ठ : 04 E-mail : udyogviharnp@gmail.com

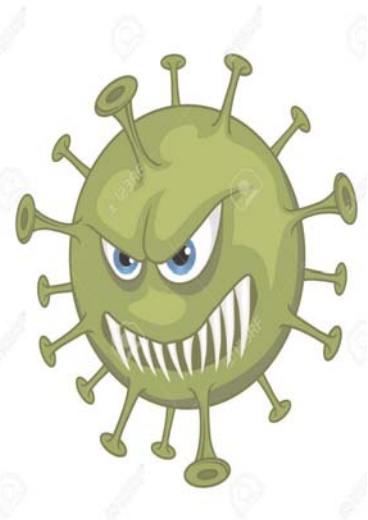

नए अस्पताल तैयार, पुरानों में...P-4

कोरोना लाइव

8,960,098	8,383,602	131,639	56,650,795
मामले (भारत)	मरीज ठीक हुए	कुल मौतें	मामले (दुनिया)

अब दिल्ली से नोएडा आने-जाने वालों की बॉर्डर पर होगी कोरोना जांच

नोएडा। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए नोएडा आने-जाने वालों की बॉर्डर पर ही कोरोना (COVID-19) जांच करने का फैसला लिया गया है। इसे लेकर नोएडा जिला प्रशासन ने मंगलवार को निर्देश जारी किए हैं। इसके लिए डीएनडी बॉर्डर, चिल्ला बॉर्डर और मेट्रो स्टेशनों पर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीमें तैनात रहेंगी। ये टीमें किसी भी व्यक्ति को रोक कर आकस्मिक रूप (Random Sampling) से उसकी कोरोना जांच करेंगी। इन जांच की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की रणनीति तय की जाएगी। हालांकि, बॉर्डर को फिर से सील करने की संभावना से जिला प्रशासन अभी इनकार कर रहा है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के केस लगातार बढ़ने के बाद गौतम बुद्धनगर जिला प्रशासन की भी चिंता बढ़ गई है। जिलाधिकारी सुहास एल.वाई. ने मंगलवार शाम को इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ आपात बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा करने के बाद दिल्ली बॉर्डर पर कोरोना जांच करने का निर्णय लिया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि दिल्ली से आने-जाने वाले लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक करने के साथ ही उनकी आकस्मिक कोविड जांच भी की जाएगी और इसमें किसी भी व्यक्ति की जांच की जा सकती है। आकस्मिक जांच करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को टीमों का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं और यह जांच बुधवार से प्रारम्भ हो जाएंगी। इन जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की रणनीति तय की जाएगी।

नोएडा में कोविड-19 के 132 नए मामले

गौतमबुद्ध नगर जिले में मंगलवार सुबह तक कोविड-19 के 132 नए मरीज सामने आए हैं। जनपद में पिछले 24 घंटे के अंदर 115 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। कोरोना वायरस से अब तक कुल 73 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

जिला निगरानी अधिकारी सुनील दोहरे ने बताया कि मंगलवार को गौतमबुद्ध नगर में कोविड-19 से संक्रमित 132 मरीज पाए गए हैं जिसके बाद जिले में अब तक संक्रमित होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़ कर 20,566 हो गई है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित 115 मरीज इलाज के दौरान ठीक हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक 19257 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। दोहरे ने बताया कि यहां के विभिन्न अस्पतालों में 1,236 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 73 लोगों की महामारी की वजह से मौत हो गई है।

दिल्ली में महज 16 दिनों में 1 लाख नए कोरोना केस, 1200 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में एक नवंबर से 16 नवंबर के बीच कोरोना वायरस के एक लाख से अधिक नए मामले दर्ज किए गए और करीब 1,200 संक्रमितों की मृत्यु हो गई, वहीं करीब 94,000 मरीज इस अवधि में संक्रमण से उबरने में सफल रहे। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। राजधानी में 28 अक्टूबर से कोरोना वायरस के मामलों में अचानक से इजाफा देखा गया है। उस दिन पहली बार संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या 5,000 से अधिक हो गई और 11 नवंबर को रोजाना के मामलों की संख्या 8,000 के पार चली गई। दिल्ली में 12 नवंबर को संक्रमण से 104 लोगों की मृत्यु हो गई जो पांच महीने से अधिक समय में संक्रमण से एक दिन में मौत का सर्वाधिक आंकड़ा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी में इस महीने अब तक कोरोना वायरस के 1,01,070 मामले सामने आए हैं। एक से 16 नवंबर के बीच दिल्ली में 1,202 संक्रमितों की मौत हुई, वहीं 93,885 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। दिल्ली में एक नवंबर को संक्रमण के 5,664 मामले सामने आए थे जो 11 नवंबर को बढ़कर 8,593 हो गए। यह एक दिन में संक्रमण के मामलों का आज तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी में 12 नवंबर को 7,053 मामले, 13 नवंबर को 7,802, 14 नवंबर को 7,340, 15 नवंबर को 3,235 और 16 नवंबर को 3,797 मामले सामने आए। दिल्ली में 11 से 16 नवंबर के बीच रोजाना संक्रमण से मौत के 85, 104, 91, 96, 95 और 99 मामले सामने आए।

नालों पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को नोटिस

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। नगर निगम नालों पर अतिक्रमण वाले दुकानदारों को नोटिस भेज रहा है। अतिक्रमण हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जा रहा है। इसके बाद मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। नालों पर अतिक्रमण होने से उनकी साफ-सफाई नहीं हो पाती। इस कारण वह गदंगी से अटे पड़े रहते हैं। जल निकासी की दिक्कत होने लगती है। ज्यादातर नाले पॉलीथिन से अटे हैं। निगम की चेतावनी पर भी दुकानदार अतिक्रमण नहीं हटा रहे थे। नगर निगम ने अब दुकानदारों को नोटिस भेजने शुरू कर दिए हैं। अतिक्रमण हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है।

निगम अधिकारियों ने नोटिस के माध्यम से कहा है कि दिए गए समय पर यदि नालों से अतिक्रमण नहीं हटाया तो आर्थिक जुमार्ने के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया कराया जाएगा। बता दें कि गोविन्दपुरम, हरसांव, मालीवाड़ा, पटेलनगर, लोहियानगर, नवयुग मार्केट आदि जगह पर नालों पर दुकानदारों ने सामान रख रखा है।

निगम नाला सफाई के लिए प्राइवेट लोगों को ठेका देता है। ऐसे में दुकानदार नाले से अतिक्रमण नहीं हटाते। नाला साफ करने वाली कंपनी उस स्थान से नाले की सफाई नहीं कर पाती। ऐसे में बरसात के दौरान नालों में गंदगी होने के कारण जलभराव हो जाता है। नगरायुक्त महेंद्र सिंह तंवर का कहना है कि सभी व्यापारिक संगठनों से नालों से अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार कहा गया है।

रिपोर्ट नेगेटिव आने पर ही घाट पर जाने दिया जाएगा

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। छठ पर्व के आयोजन से पहले छठ घाट पर्व समिति द्वारा कोविड-19 की जांच के लिए निशुल्क जांच शिविर लगया गया है। आयोजन समिति का कहना है कि कोविड-19 निशुल्क जांच में नेगेटिव रिपोर्ट आने वालों को ही वसुंधरा सेक्टर एक वसुंधरा ग्रीन बेल्ट पर बने छठ घाट में पूजा और अर्घ्य हेतु प्रवेश मिलेगा। जिससे लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचा जा सके। कोविड-19 निशुल्क जांच शिविर के संयोजक कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि छठ पर्व को देखते हुए आयोजन समिति के सहयोग से कोविड-19 निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया इसका मुख्य उद्देश्य वसुंधरा सेक्टर-1 छठ घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाना है उन्होंने बताया छठ घाट पर पूजा अर्चना करने जाने वाले लोगों को शिविर में अपना कोरोनावायरस टेस्ट कराना होगा जिन लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आएगी उन्हीं लोगों को छठ घाट पर पूजा करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

वसुंधरा सेक्टर-1 छठ घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाना है

कोरोना संक्रमित बुजुर्गों को अस्पताल में किया जाएगा भर्ती

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण के फैलाव की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग बुजुर्गों लेकर खासी सतर्कता बरत रहा है। संक्रमण का सबसे ज्यादा खतरा 40 वर्ष से अधिक आयु वालों को हैं और विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में कोरोना संक्रमण के बाद हुई मौत के मामलों में 80 प्रतिशत मरीज इसी आयु वर्ग के थे। बुजुर्ग लोगों में मृत्यु दर अधिक होने के कारण अधिक सावधानी के लिए जागरूक किया जा रहा है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग जिले में बुजुर्गों को जागरूक करने में जुटा है। जिले में अभी तक 19 हजार से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इसमें युवा वर्ग अधिक कोरोना की चपेट में आया है। अधिकारियों के अनुसार करीब 50 फीसदी मरीजों की उम्र 20 से 40 वर्ष तक के बीच है। जो लोग अधिक घरों से बाहर निकलते हैं या व्यवसाय व नौकरी के चलते सक्रिय हैं। वे लोग कोरोना के चपेट में आए ज्यादा हैं, लेकिन ऐसे में लोगों की स्वस्थता दर भी 94 फीसदी से अधिक है।

कोरोना को हराने में महिलाओं, बुजुर्ग और अन्य बीमारी से ग्रसीत लोगों को अधिक समय लगता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं और बुजुर्ग लोगों को अधिक सावधान रहने के लिए कहा जाता है।

वहीं जिले में कोरोना संक्रमित की मौत के आंकड़ों में देखा जाए तो सबसे अधिक जान 60 वर्ष से अधिक बुजुर्गों की गई है। इसमें भी जो बुजुर्ग डायबिटिज, हाइपरटेंशन और निमोनिया से पहले से पीड़ित थे। उनको स्वस्थ होने में काफी समय लगा और कोरोना से लड़ाई हार गए। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष जागरूकता रहने के लिए कहा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुजुर्गों की विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जिले में 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोग जो कोरोना पॉजिटिव होंगे उन्हें उनकी स्थिति के आधार पर अस्पतालों में ही भर्ती किया जाएगा। बुजुर्गों के लिए होम आइसोलेशन की अनुमति केवल उस स्थिति में ही दी जाएगी, जिसमें उन्हें शुगर, बीपी व अन्य कोई बीमारी नहीं होगी और उनमें कोरोना संक्रमण का कोई भी लक्षण नहीं होगा। घर पर उनकी देखभाल के लिए एक व्यक्ति के साथ ही पूरी व्यवस्थाएं भी होंगी।

संजय नगर अस्पताल के सीएमएस डॉ. संजय तेवतिया ने बताया कि कोरोना संक्रमण का सबसे ज्यादा खतरा बुजुर्गों को रहता है। बुजुर्ग बढ़ती उम्र के साथ अन्य भी कई बीमारियों के शिकार हो जाते हैं, जिसके चलते कोरोना संक्रमण से उबरने में उन्हें ज्यादा समय लगता है। कई बार दूसरी बीमारियों के चलते कोरोना संक्रमण भी गंभीर रूप ले लेता है। इसलिए जो लोग सांस की किडनी, हृदय और सांस की बीमारी से पीड़ित होते हैं। उनको अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है।

उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक सागाचार पत्र

श्रम—जगत

02 P.

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

गाजियाबाद, नवंबर, 2020

MINIMUM WAGES IN DIFFERENT STATES

U.P MINUMUM WAGES GENERAL /ENGINEERING				DELHI MINIMUM WAGES	RAJASTHAN MINIMUM WAGES	UTTARAKHAND MINIMUMWAGES	HARYANA MINIMUMWAGES	PUNJAB MINIMUMWAGES	GUJRAT MINIMUM WAGES
	U.P. GENERAL	U.P. ENGG. BELOW 500	U.P. ENGG. ABOVE 500	MINIMUM WAGES	MINIMUM WAGES	MINIMUMWAGES	MINIMUMWAGES	MINIMUMWAGES	MINIMUM WAGES
	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.
	01/04/20 TO 30/09/2020	01/02/20 TO 31/07/2020	01/02/20 TO 31/07/2020	10/1/2018	5/1/2019	01-10-2018 TO 31-03-2019	1/7/2019	1/3/2019	01/10/2019 TO 31/03/2020
CATEGORY OF WORKERS	BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC+DA	BASIC+DA	BASIC+DA	BASIC+DA	BASIC+DA	ZONE-I BASIC+DA ZONE-II
UN SKILLED	8625.00	10086.03	10574.06	14842.00	5850.00	8331.00	9024.24	8776.83	8278.40 8070.40
SEMISKILLED	9487.50	11075.65	11631.46	16341.00	6162.00	8924.00	*	9556.83	8486.40 8278.40
SEMISKILLED-A	*	*	*	*	*	*	9475.43	*	* *
SEMISKILLED-B	*	*	*	*	*	*	9949.19	*	* *
SKILLED	10627.50	12295.73	12688.87	17991.00	6474.00	9518.00	*	10453.83	8720.40 8486.40
SKILLED A	*	*	*	*	*	*	10446.65	*	* *
SKILLED B	*	*	*	*	*	*	10969	*	* *
HIGHLY SKILLED	*	*	*	*	7774.00	*	11517.45	11485.83	* *

शादियों समारोह स्थल की घर बैठकर काट रहे हैं पर्ची

बीजेपी पार्षद ने संपत्ति विभाग के बाबुओं की कार्यशैली पर उठाए सवाल

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। नगर निगम के संपत्ति विभाग के बाबुओं पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं है। कौशांबी स्थिति निगम के कम्युनिटी सेंटर में निगम के बाबुओं के द्वारा अपनी स्वैच्छ से गुपचुप तरीके से घर बैठकर पर्ची काट दी, जबकि जिन परिवारों के द्वारा स्थानीय पार्षद एवं महापौर के माध्यम से पर्ची कटवाने के लिए आग्रह किया था, उनकी पर्ची काटी ही नहीं गई, जबकि एक परिवार के द्वारा 11 दिसंबर में परिवार में शादी के कार्ड भी वितरित करा दिए। इस परिवार के सामने चुनौती पूर्ण स्थिति ये है कि कार्ड छपने के बाद कैसे नए स्थल का निर्धारण कराए। स्थानीय पार्षद मनोज गोयल ने कहा कि ये बडा ही गंभीर मामला है। इसे महापौर और नगर आयुक्त के सामने उठाया जाएगा तथा संबंधित बाबुओं के खिलाफ जिम्मेदारी सुनिश्चित करायी जाएगी। वैशाली सेक्टर छह में रहने वाले अमित कुमार ने बताया कि लाक डाउन के चलते वैसे ही शादी का कार्यक्रम तय नहीं कर पा रहे थे। इस बीच निगम से पल पल की जानकारी हासिल करते रहे। इस बीच पता चला कि निगम का कौशांबी स्थित कम्युनिटी सेंटर में फिलहाल कोई बुकिंग नहीं है। मंगलवार को जब वह निगम मुख्यालय पहुंचे तो प्रदीप बाबू जो कि संपत्ति विभाग का दायित्व देखते है, उनके पास 8 दिसंबर की डेट में उनके कार्यक्रम से संबंधित नोट रखा हुआ था। इस बीच प्रदीप बाबू के द्वारा अवगत कराया गया कि जिस रमेश बाबू के द्वारा पर्ची काटी जाती है वह परिवार में किसी मौत के मामले में गए हुए है। उनके आने पर ही पर्ची कट सकेगी। बाद में सूचना मिली कि उनके स्थान पर गुपचुप तरीके से किसी अन्य की पर्ची रमेश बाबू के द्वारा काट दी गई, जबकि उनके द्वारा कार्यक्रम से संबंधित कार्ड भी छपवा लिए गए। इस तरह की समस्या केवल अमित कुमार तक ही सीमित नहीं रही।

विनोद बाल्मीकि भी पछता रहे है। विनोद बाल्मीकि के परिवार में भी दिसंबर माह के दौरान शादी का कार्यक्रम प्रस्तावित है। वहीं बीजेपी पार्षद मनोज गोयल ने आरोप लगाते हुए कहा कि घर बैठकर निगम के संपत्ति विभाग के बाबुओं के द्वारा खेल किया जा रहा है।

एमएमजी अस्पताल में बनाए जाएंगे दिव्यांग प्रमाण पत्र

गाजियाबाद। खत्म होने के बाद स्वास्थ्य सेवाएं भी धीरे- धीरे पटरी पर आ रही है। सरकारी अस्पतालों में ओपीडी संचालित होने के साथ ही अन्य उपचार भी शुरू हो चुके है। वहीं अब दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने की कवायद भी शुरू की जा रही है। जिसे लेकर स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने दिव्यांग बोर्ड गठन करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिसके बाद सीएमओ ने जिला एमएमजी अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर जल्द ही दिव्यांग बोर्ड गठन करने के निर्देश दिए हैं। कोरोना महामारी से पूर्व संजयनगर स्थित कंबाइंड अस्पताल में प्रत्येक सोमवार को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने का कार्य किया जाता था।

प्रत्येक माह के पहले व तीसरे सोमवार को कंबाइंड अस्पताल के डॉक्टर्स की टीम द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने का कार्य किया जाता था, जबकि दूसरे व चौथे सोमवार को जिला एमएमजी अस्पताल की टीम द्वारा प्रमाण पत्र बनाए जाते थे।

लेकिन, कोरोना महामारी के चलते कंबाइंड अस्पताल को कोविड एल-2 अस्पताल में तब्दिल करते हुए संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए शुरू किया गया। वर्तमान में भी कोविड मरीजों का इलाज किया जा रहा है। जिसके चलते यहां दिव्यांग के प्रमाण पत्र बनाने पर रोक लगा दी गई। करीब 6 माह से अधिक समय बीत चुका है।

ऐसे में दिव्यांगों को प्रमाण पत्र के अभाव में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे देखते हुए सीएमओ ने जिला एमएमजी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखकर दिव्यांग बोर्ड गठित करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि कंबाइंड अस्पताल में कोविड मरीजों का इलाज होने के चलते यहां प्रमाण पत्र बनाने का कार्य नहीं किया जा सकता है।

दस हजार एक्सट्रा चार्ज न देने पर बच्चों को कर रहा डिफाल्टर घोषित

गाजियाबाद। कोरोना महामारी से समस्त जनता परेशान है। लॉकडाउन के बाद अनलॉक डाउन में भी उद्योग-व्यापार, काम-धंधे बंद से ही है। आमदनी बंद होने से कई प्रत्येक तबके का व्यक्ति परेशान है। ऐसे में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला किया। योगी सरकार ने स्कूलों में एक साल तक फीस बढ़ाने पर रोक लगा दी, मगर प्राइवेट स्कूल संचालक टयूशन फीस के अलावा ट्रांसपोर्ट चार्ज तथा अन्य चार्जेज जोड़कर स्टूडेंट्स का मानसिक शोषण कर रहे हैं। नेहरु नगर स्थित होली चाईल्ड स्कूल ने तो सरकार की सारी गाइडलाइन दरकिनार करते हुए छात्र छात्राओं को डिफाल्टर तक घोषित कर दिया गया है। जबकि सीएम योगी के साफ साफ आदेश थे कि मनमानी करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। अभिभावकों की माने तो जब उन्होंने ट्रांसपोर्ट का उपयोग नही किया तो फिर किस बात का चार्ज दें। इसके अलावा न जाने कौन कौन से चार्जेज जोड़कर अभिभावकों को दस दस हजार रुपए एक्सट्रा देने का दवाब ही नही बनाया जा रहा बल्कि जो जमा नही कर रहे हैं उन बच्चों को मानसिक रुप से प्रताड़ित किया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि जन बच्चों ने दस हजार रुपए एक्सट्रा जमा नही कराएं है उनको डिफाल्टर घोषित किया जा रहा है। जिससे बच्चा तो तनाव में है ही साथ ही अभिभावक भी डिप्रेशन में आ रहे हैं।

LEGAL INFOSOLUTIONS PVT LTD.

- LABOUR LAWS - HR MANAGEMENT
- PAYROLL OUTSOURCING MANAGEMENT
- SOCIAL AUDIT & COMPLIANCE'S)

http://www.legalipl.com

BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.- 201002

The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C, Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India

9818036460

legalipl243@gmail.com

उद्योग विहार
निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र
Editorial
E-mail : udyogviharnp@gmail.com
गाजियाबाद, नवंबर, 2020

सम्पादकीय

बढ़ता खतरा

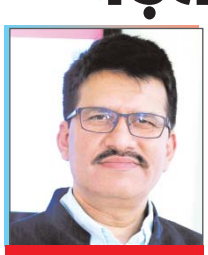

सत्येन्द्र सिंह

राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, उससे तो साफ है कि हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। पिछले कई दिनों से संक्रमण के नए मामलों और मरने वालों का आंकड़ा देख केंद्र और दिल्ली सरकार के भी हाथ-पैर फूल रहे हैं। इसीलिए संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए एक बार फिर से कुछ इलाकों और बाजारों में पूर्णबंदी लगाने के बारे में सोचा जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से लिखित अनुरोध कर व्यस्त बाजारों में पूर्णबंदी लगाने की इजाजत मांगी है। कोरोना से बिगड़ते हालात पर गृह मंत्री भी दिल्ली सरकार के साथ बैठक कर चुके हैं। उसके बाद से ही यह साफ हो गया था कि स्थिति से निपटने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार अब कड़े फैसले कर सकती है। हालांकि अब तक दिल्ली सरकार की ओर से यह दावा किया जाता रहा कि हालात काबू में हैं और पूर्णबंदी की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन अब लग रहा है कि सरकार के समक्ष पूर्णबंदी जैसे कदम के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। अभी तक तो कहा जा रहा था कि कोरोना संक्रमण की यह दूसरी या तीसरी लहर है और आने वाले दिनों में इसका असर कम हो जाएगा। लेकिन अब स्थिति गंभीर रूप धारण कर चुकी है। चरणबद्ध तरीके से देशव्यापी पूर्णबंदी हटाए जाने के बाद से दिल्ली में पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से लोगों का आवागमन शुरू हुआ, उससे बाजारों में फिर से भीड़ लगने लगी। खासतौर से त्योहारी मौसम में दीपावली के पहले बाजारों में जैसी भीड़ उमड़ी, उससे लग गया था कि आने वाले दिनों में दिल्ली में कोरोना का विस्फोट होकर रहेगा। यह आशंका बेवजह नहीं थी। लोगों ने जिस तरह से लापरवाही बरती, बिना मास्क लगाए और सुरक्षित दूरी का पालन किए लोग बाजार में निकले, उस हालत में संक्रमण को फैलने से कैसे रोका जा सकता है! फिर दिल्ली सरकार भी जनजीवन को सामान्य बनाने के मकसद से प्रतिबंधों में जिस तरह ढील देती चली गई, वह भी संक्रमण को न्योता देना ही था। न तो लोगों ने परवाह की और न सरकार ने बचाव के पूरे कदम उठाए। उसी का नतीजा है कि आज हजारों नए संक्रमित रोज सामने आ रहे हैं। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने काफी अच्छा काम किया और उसके प्रयासों की प्रधानमंत्री तक ने प्रशंसा की। दिल्ली के साथ एक समस्या यह भी है कि राष्ट्रीय राजधानी होने की वजह से यहां सबसे ज्यादा आवाजाही रहती है, दूसरे राज्यों के लोग भी अपने कामकाज से लेकर इलाज कराने के तक लिए यहां आते हैं। ऐसे में संक्रमितों की संख्या बढ़ना स्वाभाविक है। सरकार के सामने दोहरी चुनौती है। आर्थिक गतिविधियों को भी पटरी पर लाना है। ऐसे में लंबे समय तक के लिए पूर्णबंदी की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसीलिए दिल्ली सरकार ज्यादा संक्रमण वाले इलाकों को निषिद्ध क्षेत्र बनाती रही है और खतरे से बाहर आ जाने पर उन्हें फिर से खोल दिया जाता है। लेकिन अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि बाजारों में भीड़ को काबू करना मुश्किल हो गया है। कारोबारी तो पूर्णबंदी के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं, क्योंकि जैसे-तैसे अब काम-धंधा शुरू हुआ है। कोरोना से लड़ने में सरकारों के प्रयास तो अपनी जगह हैं ही, इससे भी बड़ी जरूरत है लोग जागरूक और जिम्मेदार बनें और संक्रमण से बचाव के जरूरी नियमों का पालन करें, जो कि देखने को नहीं मिल रहा है।

कोरोना और पराली से परेशानी क्या कम थी जो आतिशबाजी भी कर दी गयी

दीपावली पर कोरोना महामारी की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद जिन्दगी की चकाचौंध ने हमारे लगातार असभ्य होने को ही उजागर किया। यह असभ्यता ही है कि अदालती फैसलों एवं सरकारी अपीलों के बावजूद पटाखों पर नियंत्रण की बात खोखली साबित हुई। पराली एवं वायु प्रदूषण से दमघोंटू माहौल एवं कोरोना के लगातार फैलते जाने के संकट को ताक पर रखते हुए लोगों ने घोर लापरवाही बरतते हुए न केवल स्वयं बल्कि दूसरों के जीवन को संकट में डाला। जनता ने आतिशबाजी पर नियंत्रण के कानूनी फरमानों का मखौल उड़ाते हुए रात भर पटाखे छुड़ाए। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति अपने आमोद-प्रमोद के लिये अपनी जड़ों एवं दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। अर्थ है, तो सिर्फ अपने मनोरंजन का। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, यही कारण है जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं देती। क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? लोगों में पटाखे फोड़ने के लिए एक खास तरह का हिंस्र उत्साह, अराजकता एवं अनुशासनहीनता देखी गयी।

आज कोरोना महामारी के संकटकालीन समय में देश दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती हैं, भयभीत करती हैं। कोरोना ने समाज में बहुत कुछ बदला है, मूल्य, विचार, जीवन-शैली, वास्तुशिल्प सब में परिवर्तन है। आदमी ने जमीं को इतनी ऊंची दीवारों से घेर कर तंगदिल बना दिया कि धूप और प्रकाश तो क्या, जीवन-हवा को भी भीतर आने के लिये रास्ते ढूंढ़ने पड़ते हैं। सुविधावाद हावी है तो कृत्रिम साधन नियति बन गये हैं। चारों तरफ भय एवं डर का माहौल है। यह भय केवल कोरोना से ही नहीं, भ्रष्टाचारियों से, अपराध को मंडित करने वालों से, सत्ता का दुरुपयोग करने वालों से एवं अपने दायित्व एवं जिम्मेदारी से मुंह फेरने वाले अधिकारियों से भी है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम अब भी ऐसे मुकाम पर हैं, जहां सड़क पर बाएं चलने या सार्वजनिक जगहों पर न थूकने जैसे कर्तव्यों की याद दिलाने के लिए भी पुलिस की जरूरत पड़ती है। जो पुलिस अपने चरित्र पर अनेक दाग ओढ़े हैं, भला कैसे अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं जिम्मेदारी से निर्वाह करेगी। पुलिस का डंडा या सख्त कानून कभी भी इंसान को सभ्य नहीं बना सकते। अंदर से इच्छाशक्ति न हो तो कानूनों के पालन में इस दिवाली जैसी स्थिति होती है।

यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति अपने आमोद-प्रमोद के लिये अपनी जड़ों एवं दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है।

सारे कानून-कायदों, अदालती या सरकारी आदेशों और पुलिस की कवायद के बावजूद पटाखे छूटते रहे। वैसे भी, भारत दुनिया के चुनिंदा देशों में है, जहां शायद सबसे अधिक कानून होंगे, लेकिन हम कितना कानून-पालन करने वाले समाज हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। नरसी मेहता रचित भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए, जे पीर पराई जाने रे गांधीजी के जीवन का सूत्र बन गया था, लेकिन यह आज के आम लोगों का जीवनसूत्र क्यों नहीं बनता? क्यों नहीं आमजन पराये दर्द को, पराये दुःख को एवं पराये जीवन को अपना मानते? क्यों नहीं जन-जन की वेदना और संवेदनाओं से अपने तार जोड़ते? बर्फ की शिला खुद तो पिघल जाती है पर नदी के प्रवाह को रोक देती है, बाढ़ और विनाश का कारण बन जाती है। देश की स्वास्थ्य-रक्षा में आज ऐसे ही बाधक तत्व उपस्थित हैं, जो जनजीवन में आतंक एवं संशय पैदा कर उसे मौत की अंधेरी राहों में, निराशा और भय की लम्बी काली रात के साये में धकेल रहे हैं। कोई भी व्यक्ति, प्रसंग, अवसर अगर राष्ट्र को एक दिन के लिए ही आशावान बना देते हैं तो वह महत्वपूर्ण होते हैं। पर यहां तो चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा व्याप्त है। हमारा राष्ट्र नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ा है और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश की राजधानी और उसके आसपास जिस तरह पटाखों पर लगे नियंत्रण की छीछालेदर हुई, उससे यह सहज ही जाहिर हो गया है। बात पुलिस की अक्षमता की नहीं है। उन कारणों की शिनाख्त करने की है, जिनके चलते एक आम नागरिक पर्यावरण या उसके अपने स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर मंडरा रहे खतरों के बावजूद लगातार उदासीन एवं लापरवाह क्यों होता जा रहा है।

कैसी विडम्बना है हमारे समाज की। किसी अनियमितता का पदार्फाश करना पूर्वाग्रह माना जाता है। सत्य बोलना अहम्‌ पालने की श्रेणी में आता है। साफगोही अव्यावहारिक है। भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं देना समय को नहीं पहचानना है। आखिर नयी गढ़ी जा रही ये परिभाषाएं समाज और राष्ट्र को किन वीभत्स दिशाओं में धकेल रही हैं? विकासवाद की तेज आंधी के बावजूद हमारा देश, हमारा समाज तरह-तरह के बंधनों में आज भी जकड़ा हुआ है। उसमें न आत्मबल है, न नैतिक बल। सुधार की, नैतिकता की बात कोई सुनता नहीं है। दूर-दूर तक कहीं रोशनी नहीं दिख रही है। इन घनी अंधेरी रातों में हम कैसे विश्व गुरु बन पायेंगे?

नदी में गिरी बर्फ की शिला को गलना है, ठीक उसी प्रकार उन बाधक एवं असंवेदनहीन तत्वों को भी एक न एक दिन हटना है। यह स्वीकृत सत्य है कि जब कल नहीं रहा तो आज भी नहीं रहेगा। उजाला नहीं रहा तो अंधेरा भी नहीं रहेगा। जे पीर पराई जाने रे- भजन के बोल आज भी अनेक लोगों के हृदय को छूते हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हृदय को भी छू गया है तभी उन्होंने सबका साथ-सबका विकास, एक विशिष्ट राष्ट्र कल्याणकारी उपक्रम जन-जन की पीड़ा को हरने के लिए प्रारंभ किया।

राष्ट्र आज जिस मुकाम पर पहुंचा है, वहां खड़े होकर यह स्पष्ट महसूस किया जा सकता है कि मोदी नीतियों का हार्द ही है परायी पीर को जानना। पराया दुख, पराया दर्द समझना। परायी पीर को समझने का ही अर्थ है उस पीड़ा को, उस तकलीफ को मिटाने का जी-जान से प्रयत्न करना। इसी से एक सभ्य व्यवस्था इंसानों के बीच बनेगी जिसमें पुलिस सड़कों से पूरी तरह से अनुपस्थित हो जाएंगी और सारी नागरिक गतिविधियां बिना उसके हस्तक्षेप के चलती रहेंगी। दरअसल, एक आदर्श राज्य की अवधारणा में पुलिस, अदालतें और जेल जैसी संस्थाओं एवं स्थितियों की जरूरत न होना ही हमारे सभ्य होने का प्रमाण है। इन दुर्लभ श्रेष्ठताओं को पाने के लिये कुछेक घंटों का अभ्यास पर्याप्त नहीं होता। उसके लिये सतत पुरुषार्थ एवं संकल्प की जरूरत है।

TAKSHAK
MANAGEMENT INDIA PVT LTD
EVENTS MANAGEMENT
PR MANAGEMENT
ARTISTS MANAGEMENT
http://www.takshakindia.com
BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.-201002
The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C,
Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India
9818036460
takshakindia@gmail.com

उद्योग विहार

निष्पक्ष नागरिक समाचार पत्र

04 P.

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

गाजियाबाद, नवंबर, 2020

नहाय खाय के साथ शुरु हुआ छठ का महापर्व

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। महापर्व छठ की शुरूआत नहाय खाय के साथ जहां आरंभ हो गई, वहीं छठ पर्व के मददेनजर तमाम विभागों ने तैयारियां तेज कर दी है। इस कडी में हिंडन नदी के तटों पर साफ सफाई के साथ हिंडन नहर के आस-पास बेरिकेटिंग का काम भी आरंभ कर दिया है। इसके साथ अस्थायी तरीके से नहर के आस-पास प्रकाश व्यवस्था आदि की तैयारी की जाने लगी है। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंबर ने अधीनस्थ अधिकारियों की हिंडन तट पर डयूटी लगा दी है। मोहन नगर जोन के प्रभारी शिव कुमार गौतम की मानें तो इस बार भी खुफियां कैमरों की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ साथ महिला श्रदालु स्नान के बाद वस्त बदल सकें इसके लिए भी अलग से खास इंतजाम किए जा रहे है। हालांकि देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले बढने के मददेनजर इस बार छठ पर्व पर रोक को लेकर सवाल उठ रहे है। दीपावली का पर्व संपन्न होने के साथ छठ पर्व की तैयारियां तेज हो गई है। निगम के हेल्थ, निर्माण, जलकल, लाइट आदि विभाग के तमाम स्टाफ को हिंडन नदी के तट पर तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए लगाया गया है। महापर्व छठ की शुरूआत आज नहाय-खाय के साथ हो गई है. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से ये महापर्व शुरू हो जाता है. छठ का पर्व दिवाली के 6 दिन बाद मनाया जाता है. यह पर्व खासतौर पर बिहार, पूर्वी उत्तर प्रेदश और झारखंड में बहुत धूमधाम सेमनाया जाता है. ये व्रत संतान प्राप्ति और संतान की मंगलकामना के लिए रखा जाता है।

नहाय-खाय का महत्व

छठ पूजा में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व है. चार दिनों के महापर्व छठ की शुरूआत नहाय-खाय से होती है. इस दिन व्रती स्नान करके नए कपड़े धारण करती हैं और पूजा के बाद चना दाल, कद्दू की सब्जी और चावल को प्रसाद के तौर पर ग्रहण करती हैं. व्रती के भोजन करने के बाद परिवार के बाकी सदस्य भोजन करते हैं. नहाय-खाय के दिन भोजन करने के बाद व्रती अगले दिन शाम को खरना पूजा करती हैं. इस पूजा में महिलाएं शाम के समय लकड़ी के चूल्हे पर गुड़ की खीर बनाकर उसे प्रसाद के तौर पर खाती हैं और इसी के साथ व्रती महिलाओं का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है. मान्यता है कि खरना पूजा के बाद ही घर में देवी षष्ठी (छठी मईया) का आगमन हो जाता है।

छठ से जुड़ी प्रचलित लोक कथाएं

एक मान्यता के अनुसार भगवान राम और माता सीता ने रावण वध के बाद कार्तिक शुक्ल षष्ठी को उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की और अगले दिन यानी सप्तमी को उगते सूर्य की पूजा की और आशीर्वाद प्राप्त किया. तभी से छठ मनाने की परंपरा चली आ रही है. एक अन्य मान्यता के अनुसार छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है. व्रत करने वाले मां गंगा और यमुना या किसी नदी या जलाशयों के किनारे अराधना करते हैं. इस पर्व में स्वच्छता और शुद्धता का विशेष ख्याल रखा जाता है।

छठ घाट पर पालिका परिषद अध्यक्ष ने चलाया सफाई अभियान

ट्रांस हिंडन। छठ पर्व को को लेकर खोड़ा मकनपुर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रीना भाटी द्वारा पालिका परिषद क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस कड़ी में पालिका परिषद अध्यक्ष रीना भाटी द्वारा स्वमं पालिका परिषद के कर्मचारियों के साथ मिलकर छठ घाटों की सफाई की। इस दौरान पुरबिया जन कल्याण समिति परिषद के अध्यक्ष अमन शर्मा बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरुण शर्मा हिंदू सेवा समिति के अध्यक्ष दिलीप सिंह एवं प्रबंधक सभासद सिंपी सिंह मौजूद रहे। पालिका अध्यक्ष रीना भाटी ने बताया कि विहार पूर्वांचल के लोगों से हमारे परिवार का सदैव घरेलू जुड़ाव रहा है। छठ पूजा पर मेरे स्वर्गीय पति द्वारा लगातार विहार पूर्वांचल समाज के लिए विशेष रूप से किये जा रहे कार्य को मेरे द्वारा पूर्ण रूप से प्रयास किया जा रहा है। छठ पर्व को देखते हुए पालिका परिषद के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इस क्रम में छठ पर्व से पहले ही नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों को पालिका परिषद क्षेत्र की सफाई साथ साथ छठ घाटों की सफाई व्यवस्था के साथ-साथ अन्य सभी तैयारी को पूरा करने का कार्य किया जा रहा है।

छठ पूजा बनाते समय करे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन : संजीव

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन भानु के प्रदेश सचिव ठाकुर संजीव भाटी ने छठी मैया के भक्तों से निवेदन किया है की सभी भक्तों छठ पूजा करते समय सोशल डिस्टेंस का पालन जरूर करें जिससे कि कोरोना वायरस बढ़ने से रोका जा सके। ठाकुर संजीव भाटी ने लोगो से निवेदन किया है कि छठ पूजा के दौरान एक व्रत धारी अपने साथ एक व्यक्ति को ही ले जाए जिससे कि वहा भीड़ भाड़ वाला माहौल न हो। हमारे देश मे कोविड-19 तेजी के साथ फेलता जा रहा है इसे रोकने के लिए हम सबको मिलकर अपना योगदान देना होगा और सावधानी बरतनी होगी हमारा कर्तव्य बनता है कि छठ पूजा के दौरान शासन प्रशासन द्वारा जो गाइडलाइन जारी किए जाएं उसका नियमित रूप से पालन करें और उनका सेव करें सहयोग करें हमारी और आपकी जागरूकता ही हमारे देश को बचा सकती है।

कचरे से बन रही खाद बेचकर निवाड़ी नगर पंचायत ने बढ़ाई आय

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

मोदीनगर। मोदीनगर तहसील की नगर पंचायत निवाड़ी स्थित सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट में एकत्र किए गए कचरे को विभिन्न स्वरूपों में बेचकर नगर पंचायत राजस्व जुटा रहा है। ट्रीटमेंट प्लांट में कचरे से खाद व अन्य उत्पाद निर्मित करके बिक्री की जा रही है। इस काम में स्थानीय संस्थाएं भी आगे बढ़कर सहयोग कर रही हैं। अधिकारियों को कहना है कि इस पहल पर क्षेत्र में ऐसे कई और ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की योजना पर काम चल रहा है।

निवाड़ी क्षेत्र को कचरे की समस्या से निजात दिलाने के उदेश्य से नगर पंचायत निवाड़ी ने गत वर्ष मार्च माह में सारा रोड पर एक सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कराया था। करीब दस लाख की लागत से निर्मित ट्रीटमेंट प्लांट ने जून माह में काम करना शुरू कर दिया। ट्रीमेट प्लांट ने अब निवाड़ी क्षेत्र में एकत्र किए गए कचरे को रिसाईकिल करके बेचे उत्पादों ने कमाई करना शुरू कर दिया है। ट्रीटमेंट प्लांट न केवल क्षेत्र को कचरे की समस्या से निजात दिला रहा बल्कि निवाड़ी नगर पंचायत को राजस्व कमाकर भी दे रहा है।

ट्रीटमेंट प्लांट में निवाड़ी व आसपास के क्षेत्र से एकत्र किए गए बायाडिग्रेडिबल कचरे से जैविक खाद बनाई जाती है तथा अजैविक कचरे में धातु प्लास्टिक व कागज केअवशेषों को अलग कबाड़ के रूप में बेचा जाता है। प्लांट में पांच रुपए किलो की दर से जैविक खाद व 12 रुपए प्रति किलो की दर से धातूगत अवशेष व तीन रुपए प्रति किलो की दर से प्लास्टिक आधारित कचरा बेचा जाता है।

जैविक खाद स्थानीय किसानों व आसपास की नर्सरियों को बेचा जाता है तथा अन्य कबाड़ को आसपास के कबाडियों को बेचा जा रहा है। नगर पंचायत निवाड़ी की ईओ नीति गुप्ता के अनुसार कुछ ही महीनों में ट्रीटमेंट प्लांट 25 हजार से अधिक का राजस्व अर्जित कर चुका है। जिसके आने वाले दिनों में और भी बढ़ने की आशा है।

दावा दूसरी लहर से टकराने की है पूरी तैयारी

नए अस्पताल तैयार, पुरानों में बढ़ाए जाएंगे बेड

-उद्योग विहार (नवंबर 2020)-

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के प्रभाव को रोकने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तैयारियां करने में जुटा है। इसके तहत जहां सरकारी स्तर पर तीन अस्पतालों को तैयार किया गया है, वहीं निजी अस्पतालों की संख्या भी बढ़ाई गई है। इसके साथ ही सरकारी स्तर पर एल-1, एल-2 और एल-3 अस्पतालों में बेड बढ़ाने के साथ सभी प्रकार के जरूरी संसाधन और दवाओं का प्रचुर मात्रा में स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि कौशाम्बी आर डव्लू ए कारवां के प्रधान विनय मित्तल ने तैयारियो को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हुए मुख्य सचिव के सामने मुद्दा उठाया है। पांच दिवसीय त्योहारों को बाद कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आने की आशंका को देखते हुए जिले में मरीजों के उपचार के लिए सभी तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी का कहना है कि इसके लिए जहां एल-1 स्तर से तीन अस्पतालों को तैयार कर लिया गया है, वहीं सरकारी स्तर पर चल रहे अस्पतालों में बेड बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं। कंट्रोल रूम के जरिए भी ज्यादा से ज्यादा लोगों से संपर्क करने और पॉजिटिव मरीजों के ज्यादा से ज्यादा संपर्कों को तलाशने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा लाइफ सेविंग जरूरी उपकरणों की भी खरीद की जा रही है। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार फिलहाल जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रित है और अधिकांश मरीज बिना लक्षण वाले हैं। दिल्ली में भी दूसरी लहर का जो प्रभाव नजर आ रहा है, उसमें 90 प्रतिशत से ज्यादा मरीज बिना लक्षण वाले हैं। ऐसे में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, बस उन्हें कोविड प्रोटोकॉल का पालन गंभीरता से करना है। स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त व्यवस्थाएं और संसाधन उपलब्ध हैं।

कंट्रोल रूम के जरिए भी ज्यादा से ज्यादा लोगों से संपर्क करने और पॉजिटिव मरीजों के ज्यादा से ज्यादा संपर्कों को तलाशने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार जिले के निजी व सरकारी अस्पतालों में भर्ती 92 प्रतिशत मरीज बिना लक्षण वाले और सामान्य लक्षण वाले हैं। केवल आठ फीसदी गंभीर मरीजों का उपचार आईसीयू में चल रहा है। अन्य सभी मरीजों को संक्रमण मुक्त होने में केवल सात से आठ दिन का समय लगेगा। जिले में सरकारी स्तर पर कोविड एल-1, कोविड एल-2 और कोविड एल-3 तीन अस्पतालों में 826 बेड की व्यवस्था है। वहीं 13 निजी अस्पतालों में 900 बेड की व्यवस्था है। इसमें आईसीयू और वेंटीलेटर की भी उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं वर्तमान में करीब 1300 सक्रिय मामले हैं, जिसमें 90 मरीजों की स्वास्थ्य विभाग को उचित जानकारी नहीं है। करीब 550 से ज्यादा मरीज होम आइसोलशन में हैं।

मै. लीगल इन्फोशोल्यूशन्स प्रा0लि0, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **"सत्येन्द्र सिंह"** द्वारा मै. बी.एफ.एल. इन्फोटैक लि. प्रेस, सी-9, सैक्टर-3, नोएडा से छपवाकर बी.ई.-243, (ग्राउण्ड फ्लोर) अवन्तिका, गाजियाबाद से प्रकाशित किया।

फोन : 0120-4122901 / 4108794 **मोबाइल नं. :** 9818036460 / 9818697406 **E-mail :** udyogviharnp@yahoo.com **संस्थापक :** शीतला प्रसाद सिंह **प्रधान सम्पादक :** सत्येन्द्र सिंह **सम्पादक :** बबिता सिंह **सह सम्पादक :** राजेश सिंह